नवोदय विद्यालय समिति

पूर्व परिषदीय प्रथम सत्र परीक्षा 2021-22

कक्षा -10

विषय -हिंदी (पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय - 90 मिनट **अधिकतम अंक -** 40

सामान्य निर्देश-

1.इस प्रश्नपत्र में तीन खंड है- खंड-क, खंड-ख , खंड-ग ।

2.इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3.खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

4. खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

5. खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड-क

(अपठित बोध)

1. नीचे <u>दो</u> अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए |(1X5=5)

असफलता समझदार को भी तोड़ देती है । असफल इंसान इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, सही दिशा आदि सब खो बैठता है। लेकिन जो इन्हें कसकर पकड़े रहता है, वह हार को जीत में बदलने का सामर्थ्य रखता है। एक ग्रीक लेखक के अनुसार जो हम अंदर से हासिल करते हैं, वह बाहर की असलियत को बदल देता है। अंधेरे जीत का दौर भी चलता रहता है। पर न-उजाले की तरह हार-

अंधेरा चिरकालीन होता है और न उजाला। घड़ी का बराबर आगे बढ़ना हममें यह आशा भर देता है कि समय कितना भी उलटा क्यों न हो, रुका नहीं रह सकता। किसी विद्वान का कथन है कि आदमी की सफलता उसकी ऊँचाई तक चढ़ने में नहीं अपितु इसमें है कि नीचे तक गिरने के बाद वह फिर से कितना उछल पाता है। असफलता से हमें वह प्रेरणा मिलती है जिससे हम लक्ष्य

तक पहुँचने के नए रास्ते खोजते हैं। हममें कुछ करने की कामना जागती है। असफलता नकारात्मक भूल है, क्योंकि उसी में सफलता का मूल छिपा है। उसी से बाधाओं से जूझने की शक्ति मिलती है। दुर्भाग्य और हार छदम वेश में वरदान ही होते हैं। असफलता प्रकृति की वह योजना है जिससे आदमी के दिल का कूड़ा करकट जल जाता है और वह शुद्ध हो जाता है। तब वह उसे उड़ने के-लिए नए पंख देती है।

(I) हार को जीत में बदलने का सामर्थ्य कौन रखता है?

(क) जो इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और सही दिशा का साथ छोड़ देता है।

(ख) जो इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ता।

(ग) जो इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और सही दिशा को कसकर थामे रहता है ।

(घ) सभी उत्तर सही हैं।

(II) बुद्धिमान भी विफलता के क्षणों से दुखी क्यों हो उठता है?

(क) दुखों की अधिकता और भयानकता के कारण ।

(ख) जूझने की इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास डगमगाने के कारण।

(ग) समझदार व्यक्तियों के सुझाए मार्ग से भटकने के कारण ।

(घ) धनाभाव और मित्रों के कारण ।

(III) जीवन में जय पराजय का क्रम निरंतर इसलिए चलता रहता है-,क्योंकि -

(क) दोनों की स्थिति सदा नहीं रहती ।

(ख) जीवन में कभी पराजय का अंधेरा छा जाता है।

(ग) कभी विजय का आनंद जीवन को मुग्ध कर देता है ।

(घ) दुख का चक्र जीवन में सदा चलता ही रहता है ।

(IV) प्रकृति असफलता के रूप में मानव को सदा प्रदान करती है -

(क) दुख, निराशा और परेशानी

(ख) सांसारिक वास्तविकता का ज्ञान ।

(ग) परेशानियों से हारने का मौका

(घ) उत्साहपूर्वक आगे बढ़ने की प्रेरणा ।

(V) व्यक्तियों की सफलता की कसौटी है -

(क) जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति

(ख) उन्नति की ऊँचाई पर चढ़ना ।

(ग) मन की समस्त इच्छाओं की पूर्ति

(घ) गिरकर भी साहसपूर्वक उठने का सामर्थ्य ।

अथवा

हमें यह देखना होगा कि तुलसीदास में वो कौन सी विशेषताएँ थीं जिसने उन्हें युगपुरुष बना दिया। तुलसी को अमर बनाने वाली क्या सिर्फ रामचरितमानस की पावन कथा है ?क्या इसका कोई और कारण नहीं है ? तुलसी का व्यक्तित्व अपने युग से प्रेरित था, लेकिन वह उससे बंधे नहीं थे । 16वीं-17वीं सदी में भारत का राजनैतिक और सामाजिक स्वरूप ठहर सा गया था । कुछ ऐसी चीजें समाज मे प्रविष्ट हो चुकी थी, जिनका भारत की परम्पराओं से सीधा टकराव था। संस्कृतियों और जीवन मूल्यों की विभिन्न धाराएँ बह रही थीं । तुलसी दास ने इसे भाँपकर ; अपनी पावन संस्कृति को बचाने के लिए वो सारे प्रयास किए जो सदियों से साहित्यकार करते चले आ रहे है। भारत के विद्वान साहित्यकार मनीषियों ने सदियों से अपनी संस्कृति को समाज से जोड़ा है चाहे वह ऋषि वाल्मीकि, व्यास, कालिदास जैसे संस्कृत के धुरंधर हों या गोरखनाथ, कबीर, दादू, रैदास और सूरदास जैसे जनमानस के कवि हों । यही उद्देश्य तुलसी दास ने भी अपनाया और राम और रावण की कहानी को आधार बना कर अपने मूल्यों से भटकती भारतीय संस्कृति को एक सही दिशा देने का प्रयास किया । राम को उन्होने भगवान से ज्यादा एक ऐसे संघर्षशील व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया जो जीवन भर अपनी मर्यादाओं और आदर्शों के लिए लड़ता है पर झुकता नहीं । रामराज्य की कल्पना आज की राजनीति के लिए एक सीख है,जहाँ राजा अपनी नहीं, प्रजा की चिन्ता करता है।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(क) तुलसी:एक युगपुरुष (ख) रामराज्य (ग) रामचरितमानस (घ) राजनीति

(II) 16वीं-17वीं सदी में भारत का राजनैतिक और सामाजिक स्वरूप कैसा था ?

(क) विकसित (ख) बहुत अच्छा (ग) स्थिर (घ) गतिशील

(III) जब राजा अपनी नहीं, प्रजा की चिन्ता करता है तब कौन सी कल्पना साकार होती है ?

(क) राजतंत्र की (ख) रामराज्य की (ग) स्वर्ग की (घ) तानाशाही की

(IV) विद्वान साहित्यकार मनीषियों ने सदियों से किसको किससे जोड़ा है ?

(क) राजा को प्रजा से (ख) साहित्य को भाषा से

(ग) संस्कृति को समाज से (घ) अमीर को गरीब से

(V) तुलसी दास ने राम को किस रूप में प्रस्तुत किया ?

(क) राजा के (ख) भगवान के (ग) शत्रुविनाशक के (घ) जुझारू व्यक्तित्व के

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए | (1X5=5)

तुमको नया गौरव दे रही है ।

राजा बैठे सिंहासन पर, यह ताजों पर आसीन क़लम

मेरा धन है स्वाधीन क़लम

जिसने तलवार शिवा को दी

रोशनी उधार दिवा को दी

पतवार थमा दी लहरों को

खंजर की धार हवा को दी

अग-जग के उसी विधाता ने, कर दी मेरे अधीन क़लम

मेरा धन है स्वाधीन क़लम

रस-गंगा लहरा देती है

मस्ती-ध्वज फहरा देती है

चालीस करोड़ों की भोली

किस्मत पर पहरा देती है

संग्राम-क्रांति का बिगुल यही है, यही प्यार की बीन क़लम

मेरा धन है स्वाधीन क़लम

(I) कवि ने किसे अपना धन माना है?

क. तलवार को ख. पतवार को ग. कलम को घ. रोशनी को

(II) कलम कहाँ आसीन है?

क. सिंहासन पर ख. ताज़ पर ग. सत्ता पर घ. कुर्सियों पर

(III) चालीस करोड़ की भोली किस्मत पर पहरा देने का क्या अभिप्राय है ?

क .जनता के अधिकारों की रक्षा करना ख . नेताओं के गुणगान करना

ग .देश की सीमा पर पहरा देना घ .सरकार की रक्षा करना

(IV) कलम में क्रान्ति करवाने की ताकत होती है किस पंक्ति में यह भाव व्यक्त हुआ है?

क .रस गंगा लहरा देना ख .रोशनी उधार दिवा को देना

ग .मस्ती ध्वज फहराना घ .संग्राम क्रान्ति का बिगुल यही है

(V) कविता में किसकी शक्ति का गुणगान हुआ है ?

क .हवा ख. कलम ग .दिवा घ .खंजर

अथवा

सच है विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है
सूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते
विघ्नों को गले लगाते हैं
कांटों में राह बनाते हैं
मुंह से ना कभी उफ कहते हैं
संकट का चरम ना गहते हैं
जो आ पड़ता सब सहते हैं
शूलों का मूल नसाते हैं
बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं
है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके आदमी के पग में
ललकार जब ठोक ठेलता है जब नर
पर्वतों के जाते पांव उखड़
मानव जब जोर लगाता है
पत्थर पानी बन जाता है
गुण बड़े एक से एक प्रखर है
छिपे मानवों के भीतर
मेहंदी में जैसे लाली हो
बत्ती वर्तिका बीच उजियारी हो
बत्ती जो नहीं जलाता है

रोशनी नहीं वह पाता है

(I) उपर्युक्त काव्यांश की मूल रचना किस भाव पर की गई है ?

(क)मानव की वीरता पर (ख) मानव की धार्मिक भावना पर

(ग) मानव की सहनशील भावना पर (घ) मानवीय संचेतनता के भाव पर

(II) विपत्ति आने पर वीर पुरुष विचलित क्यों नहीं होते ?

(क)दूर दृष्टिगामी होते हैं (ख) वे अपना धैर्य नहीं खोते

(ग) वीर पुरुष सदा संघर्ष करते हैं (घ) उन्हें अपनी वीरता पर विश्वास होता है

(III) शूलों का मूल नसाते हैं - पंक्ति का तात्पर्य है -

(क) काँटों की जड़ को उखाड़ देते हैं (ख) काँटों से नही घबराते हैं

(ग) मुसीबतों के मूल कारण को नष्ट कर देते हैं (घ) सदा निर्विघ्न रहते हैं

(IV) 'पत्थर पानी बन जाता है 'काव्य पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या सन्देश दिया है ?

(क) रगडने से पत्थर भी घिस जाता है (ख) परिश्रम से असंभव काम भी संभव हो जाता है

(ग) पत्थर पानी में बह जाता है (घ) निरंतर अभ्यास करने से सफलता मिलती है

(V) मानव ह्रदय में छुपे प्रखर गुणों की तुलना किससे की गई है?

(क) दीपक और बाती से (ख) अँधेरे और रोशनी से

(ग) मेहंदी में छुपी लाली से (घ) बादल और पानी से

खंड-ख

व्याकरण

3. निर्देशानुसार किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4 =4)

(I) - 'आप घर जाएँगें या पार्क जाएँगे।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से (ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से (घ) प्रश्न वाक्य से

(II) - 'राम आया; सब प्रसन्न हो गए।' वाक्य का संयुक्त वाक्य रूपांतरण है-

(क) राम आया और सब प्रसन्न हो गए।

(ख) जैसे ही राम आया सभी प्रसन्न हो गए।

(ग) राम के आते ही सभी प्रसन्न हो गए।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(III) - 'उसने पिज्जा खाया और चक्कर खाकर गिर पड़ा' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) जैसे ही उसने पिज्जा खाया, वैसे ही चक्कर खाकर गिर पड़ा।

(ख) पिज्जा खाते ही वह चक्कर खाकर गिर पड़ा।

(ग) वह पिज्जा खाकर चकराकर गिर पड़ा।

(घ) पिज्जा जैसे ही खाया चक्कर खाकर गिर पड़ा।

(IV) - 'ममता आई और चली गई। वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही ममता आई वह चली गई। (ख) ममता आई और गई।

(ग) ममता आकर चली गई। (घ) ममता आई और खड़े-खड़े चली गई।

(V). 'जो केले तुम लाए थे वह बहुत ही मीठे हैं।' वाक्य में कौन सा उपवाक्य है?

(क) विशेषण उपवाक्य (ख) क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(ग) संज्ञा उपवाक्य (घ) सर्वनाम उपवाक्य

4. निर्देशानुसार किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4 =4)

(I)- 'रोहन ने दिनेश को डंडे से मारा' वाक्य में कौन सा वाच्य होगा ?

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य (ग) कर्तृवाच्य (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(II) -'राहुल ने कपड़े बाँटे' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए

(क) राहुल कपड़े बटवाता हैं (ख) राहुल द्वारा कपड़े बाँटे गए

(ग) राहुल कपड़े बाँटने गया (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(III)-'चोट लगने के कारण वह चल नहीं पाया' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।

(क) चोट लगने के कारण उसने चल नहीं पाया

(ख) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जा सका

(ग) उसे चोट लगी थी इसलिए चल नहीं पाया

(घ) चोट लगने की अवस्था में वह चल नहीं पाया

(IV)- 'मैं दौड़ नहीं सकता' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए

(क) मुझसे दौड़ा नहीं गया (ख) मुझे नहीं दौड़ना चाहिए था

(ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता (घ) मुझसे दौड़ा गया

(V) 'प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।

(क) प्रेमचंद ने गबन लिखा (ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई

(ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है (घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया

5. निर्देशानुसार किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4 =4)

(I). मुंशी प्रेमचंद ने गोदान की रचना की-रेखांकित पद का परिचय है-

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(II). 'लाल गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकि+त पद का परिचय है-

(क) संख्यावाचक विशेषण , बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य की विशेषता

(ग) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(III) वाह! कितना सुन्दर मोर है-रेखांकित पद का परिचय है-

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोक सूचक

(ख) अव्यय, संबंध बोधक, शोक सूचक

(ग) क्रिया विशेषण, काल वाचक, मोर की विशेषता बता रहा

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्ष सूचक

(IV)- पद किसे कहते हैं--?

(क) वर्गों के समूह को (ख) शब्दों के समूह

(ग) वाक्य में प्रयुक्त शब्द को (घ) शब्दों के परिचय को

(V) रेखा नित्य दौड़ने जाती है -रेखांकित पद का परिचय है-

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

6. निर्देशानुसार किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4 =4)

(I). शांत रस का स्थायी भाव है-

(क)निर्वेद (ख) अद्भुत (ग) वीर (घ)श्रृंगार

(II). बुरे समय को देख कर गंजे तू क्यों रोय।

किसी भी हालत में तेरा बाल न बाँका होय| इन पंक्तियों में कौन सा रस है-?

(क) वीर रस (ख) संयोग रस (ग) शांत रस (घ) हास्य रस

(III) वीभत्स रस का स्थायी भाव है--

(क) भय (ख) निर्वेद (ग) शोक (घ) जुगुप्सा/ घृणा

(IV) किलक अरे मैं नेह निहारूं-| इन दाँतो पर मोती वारूँ| इन पंक्तियों में कौन सा रस है-?

(क) वीर (ख) शांत (ग़) वात्सल्य (घ) हास

(V)बुंदेले हर बोलो के मुख हमने सुनी कहानी थी।

खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।। इन पंक्तियों में कौन सा रस है-?

(क)वीर रस (ख) संयोग रस (ग) संयोग रस (घ) शांत रस

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बारबार सोचते-, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर जिंदगी सब कुछ-जवानी-गृहस्थी-होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे । कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा। क्योंकि मास्टर ... बनाना भूल गया।और कैप्टन मर गया। सोचा आज वहाँ रुकेंगे नहीं ..., पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

(I) प्रस्तुत गद्यांश के-लेखक का क्या- नाम है

(क) स्वयं प्रकाश

(ख) गौरी शंकर

(ग) मंगलेश डबराल

(घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

(II) बार- बार कौम के बारे में कौन सोच रहे हैं?

(क) हालदार साहब

(ख) पानवाला

(ग) लेखक

(घ) कोई नहीं

(III) 15 दिन के समूह को कहते हैं?

(क) पखवाड़ा

(ख) सप्ताह

(ग) महीना

(घ) दिवस

(IV) -यहां पर सुभाष है-

(क) स्वतंत्रता सेनानी

(ख) एक व्यक्ति

(ग) लेखक

(घ) हालदार साहब

(V) - हालदार साहब ने गाड़ी को ड्राइवर से नहीं रोकने के लिए क्यों कहा-

(क) क्योंकि गाड़ी में पेट्रोल कम था

(ख) क्योंकि हालदार साहब को काम था

(ग) क्योंकि अब मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कोई नहीं बचा था

(घ) क्योंकि पान वाला मर गया था

8- निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कीजिए | 1x2=2

(I)-भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी?

(क) सामाजिक मर्यादा के कारण (ख) संपत्ति के लोभ में

(ग) पति से प्यार होने के कारण (घ) ससुर की चिंता के कारण

(II)-बालगोबिन का व्यवसाय क्या था?

(क) खेती (ख) दुकानदारी (ग) पुस्तकविक्रेता- (घ) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए| (1X5=5)

हमारे हरि हारिल की लकरी |

मन,क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी |

जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी|

सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करुई ककरी |
सु तौ ब्याधि हमकों लै आए,देखी सुनी न करी |
यह तौं 'सूर' तिनहीं लै सौंपो, जिनके मन चकरी ||

(I)-गोपियों ने अपनी तुलना हारिल पक्षी से क्यों की है?

क-हारिल पक्षी सदैव लकड़ी के लिए उड़ता है

ख-गोपियों को हारिल पक्षी पसंद है

ग-कृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण

घ-श्री कृष्ण के प्रति अपनी नाराजगी के कारण|

(II) नंद- नंदन विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क-कृष्ण के लिए

ख-गोपियों के लिए

ग-उद्धव के लिए

घ-नन्द बाबा के लिए

(III)-गोपियाँ किसे व्याधि कह रही हैं?

क-उद्धव की बातों को

ख-उद्धव के योग ज्ञान को

ग-श्री कृष्ण के विरह को

घ-श्री कृष्ण के प्रेम को

(IV)-गोपियों को योग साधना कैसी लगती है?

क-हरिल पक्षी की तरह

ख-हारिल की लकड़ी के सामान

ग-कडवी ककड़ी के सामान

घ-जिसे कभी देखा न हो

(V)-गोपियाँ- योग सन्देश किसके लिए उपयुक्त समझती हैं?

क-जो कृष्ण से प्रेम नहीं करते

ख-जिनका मन स्थिर नहीं है

ग-जिनका मन स्थिर है

घ-कृष्ण के लिए

10 - निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कीजिए | 1x2=2

(I)-क्रोधित होते हुए भी परशुरामजी ने लक्ष्मण का वध क्यों नहीं किया ?

(क) क्योंकि लक्ष्मण ने धनुष भंग नहीं किया था

(ख) लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकार

(ग) सभा में सब उपस्थित थे

(घ) वे ब्राह्मण थे |

(II) परशुराम शिव को क्या मानते हैं?

(क) पिता (ख) ईश्वर (ग) गुरू (घ) सेवक